गंजाम में 181 करोड़ की लागत से कई परियोजनाओं का उद्घाटन

हिंजिली-शेरागाड़ा देश का सबसे अच्छा ब्लॉक और एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनकर उभरा है : नवीन

भुवनेश्वर, (संवाद सूत्र) : मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को गंजम जिले में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और अन्य की आधारशिला रखी। जिले के एक दिवसीय दौरे पर मुख्यमंत्री ने 181.78 करोड़ रुपये की लागत से 7 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और हिंजिली-शेरागड़ा में 8 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंजिली-शेरागाड़ा देश का सबसे अच्छा ब्लॉक और एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने बताया 5टी पहल के तहत परिवर्तन अभियान पहली बार हिंजिली-शेरागाड़ा से शुरू किया गया था। मां तारातारिणी पीठ का विकास और हाईस्कूल परिवर्तन का काम यहीं से शुरू हुआ। ये परिवर्तन आज देश-विदेश दोनों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। आज, हाई स्कूल परिवर्तन का काम पूरा हो गया है और राज्य भर में 8,000 से अधिक हाई स्कूलों को बदल दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बच्चों और लोगों की खुशी देखकर खुशी हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शेरागाड़ा ग्राम पंचायत को एनएसी घोषित किया और हिंजिली-शेरागाड़ा के विकास को नये स्तर पर ले जाने के लिए सभी का सहयोग मांगा। सीतलापल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर गंजाम जिले के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की सिंचाई परियोजना और पेयजल परियोजना का शुभारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह, गोपालपुर औद्योगिक पार्क में एसीएमई और अवदा द्वारा हरित ईंधन परियोजना और गोपालपुर में आईडीसीओ उपयोगिता गलियारे की आधारशिला रखी गई। इससे जिले में औद्योगिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे

बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को कर दिया है दूर

बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में महिलाएं आज उद्यमी बनने का बीड़ा उठा चुकी हैं। किसानों, महिलाओं और युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण उनके लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। छात्रों के लिए एक नई छात्रवृत्ति 'नुआ ओ छात्रवृत्ति' शुरू की जा रही है। यह कहते हुए कि ओडिशा ने सभी के सहयोग से आज देश में एक विशिष्ट पहचान बनाई है, मुख्यमंत्री ने आने वाले दिनों में ओडिशा को विकास के नए स्तर पर ले जाने के लिए सभी के सहयोग की कामना की। सीतालापल्ली में नवनिर्मित 2000 बिस्तरों वाले एसयूएम सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने गोपालपुर में एसीएमई द्वारा 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से 1.10 एमएमटीपीए ग्रीन अमोनिया प्लांट और 8,000 करोड़ रुपये के निवेश से अवाडा ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। ये दोनों परियोजनाएं लगभग 5200 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। 5टी और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष वी कार्तिक पांडियन, जो यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे, ने सभी कार्यक्रमों में भाग लिया और परियोजनाओं के संबंध में लोगों से बातचीत की।

निवेश के मामले में ओडिशा देश में दूसरे स्थान पर

उन्होंने कहा कि इससे जिले में औद्योगिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। निवेश के मामले में ओडिशा देश में दूसरे स्थान पर है। ओडिशा देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भोजन की आपूर्ति कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आईटी कंपनियां ओडिशा में अपनी इकाइयां स्थापित कर रही हैं। खेल और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में ओडिशा ने ख्याति अर्जित की है। हमारी 5टी पहल ने शिक्षा-स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत की है। श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना, समलेई परियोजना और मां तारा तारिणी पीठ के परिवर्तन ने ओडिशा को गौरव दिलाया है।

मुख्यमंत्री कलाकार सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता बढ़ी

भुवनेश्वर, (निप्र) : मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग की मुख्यमंत्री कलाकार सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता राशि को मौजूदा 1,200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हालांकि, 80 वर्ष से अधिक उम्र के कलाकार लाभार्थियों को इसके बजाय 2,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। सीएमओ ने बताया कि इस घोषणा से लगभग 80,000 कलाकार लाभान्वित होंगे। वित्तीय सहायता की बढ़ी हुई राशि 20 से 25 फरवरी के बीच दी जाएगी और

इस घोषणा से लगभग 80,000 कलाकार होंगे लाभान्वित

चालू माह 20 फरवरी से प्रभावी होगी। राशि का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से किया जाएगा। गौरतलब है कि सीएम ने इससे पहले ओड़िया भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग की मुख्यमंत्री कलाकार सहायता योजना में लाभार्थियों के रूप में 30,000 से अधिक कलाकारों को शामिल किया था। कई कलाकारों और उनके संगठनों ने पहले 5टी अध्यक्ष की ओडिशा जिलों की यात्रा के दौरान सहायता योजना में अधिक लाभार्थियों को शामिल करने का अनुरोध और प्रस्ताव दिया था। सीएम ने पहले कहा था कि हमारी लोक कलाएं हमारे राष्ट्र की पहचान हैं और कलाकार भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचारक और संचारक हैं। इस योजना में अधिक लाभार्थियों के शामिल होने से अब ओडिशा के विभिन्न हिस्सों से जुड़े कलाकारों को लाभ और प्रोत्साहन मिलेगा। इससे हमारी कला को संरक्षित करने, विकसित करने, बढ़ावा देने और फैलाने में मदद मिलेगी और राज्य की कला और संस्कृति को समृद्ध किया जाएगा।

पांडियन ने संबलपुर जिले का किया दौरा

कुल 1347 परियोजनाएं की गई हैं स्वीकृत

भुवनेश्वर, (संवाद सूत्र) : मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देशानुसार, 5टी और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष कार्तिक पांडियन ने जिले में विभिन्न विकासात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने और आम जनता के साथ बातचीत करने के लिए संबलपुर जिले का दौरा किया। उनकी यात्रा के दौरान धार्मिक संस्थानों और सामुदायिक संरचनाओं के नवीनीकरण के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुईं। पांडियन ने शिकायतों के शीघ्र निवारण के संबंध में आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने स्थानीय जनता के लिए इन परियोजनाओं के महत्व पर परियोजनाओं को मंजूरी दी। जिले के 04 स्थानों - संबलपुर में रेमेड फील्ड, कुचिंडा कॉलेज फील्ड, रायराखोल में जुजुमुरा हॉकी फील्ड और रेंगाली में बिशालखिंडा फील्ड में स्वीकृत आदेश वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। प्राप्त शिकायतों के आधार पर 58 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली कुल 1347 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। ये मंजूरी आदेश संबलपुर में राज्य मंत्री निरंजन पुजारी, कुचिंडा में रीता साहू, जुजुमोरा में प्रफुल्ल मल्लिक और रेंगाली में टुकुनी साहू द्वारा लोगों को वितरित किए गए। विधायक प्रणब प्रकाश दास ने धार्मिक संस्थानों के नवीनीकरण की जनता की मांग को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और चेयरमैन 5टी और नवीन ओडिशा कार्तिक पांडियन के संज्ञान में लाया था। उन्होंने जिले का व्यापक दौरा किया और लोगों को अपनी शिकायतें प्रस्तुत करने के लिए अध्यक्ष से मिलने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने आभार व्यक्त किया जन शिकायतों के ऐसे त्वरित समाधान के लिए। पांडियन ने कहा, मुख्यमंत्री ओडिशा के लोगों को अपना परिवार मानते हैं। इसलिए, संबलपुर जिले के लिए इतनी बड़ी संख्या में परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने बातचीत की और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और 5टी के अध्यक्ष कार्तिक पांडियन को उनके अनुरोध पर विचार करने और इतने कम समय में परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए धन्यवाद।

पश्चिम ओडिशा की 35 विधानसभा और 5 लोकसभा सीटों पर होगा कड़ा मुकाबला

बीजद वापसी के लिए लगा रहा एड़ी-चोटी का जोर

अपनी शक्ति बरकरार रखना चाहेगी भाजपा

भुवनेश्वर, (निप्र) : ओडिशा में इस वक्त चुनावी सरगर्मी दिख रही है। क्योंकि चुनाव की अधिसूचना किसी भी वक्त जारी हो सकती है। इसलिए कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबलपुर से आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। इसके बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान पश्चिम ओडिशा में अपनी पार्टी के पक्ष में प्रचार अभियान शुरू किया।

सत्तारूढ़ बीजद शुरू कर रहा कई योजनाएं

ओडिशा में पिछले 24 सालों से सत्तारूढ़ बीजू जनता दल लगातार चुनावों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाएं लागू कर रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक चुनाव प्रचार के लिए नहीं आये हैं, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि उनके आदेश पर सरकारी कार्यक्रमों के जरिये चुनाव प्रचार जारी है। 2019 के आम चुनाव में बीजद ने विधानसभा की 147 सीटों में से 112 सीटें जीतीं और लगातार पांचवीं बार सत्ता पर काबिज हुई। उस समय भारतीय जनता पार्टी को 23 सीटों और कांग्रेस को सिर्फ 9 सीटों से संतोष करना पड़ा था।

:: भाजपा को मिली अप्रत्याशित सफलताआश्चर्यजनक रूप से ओडिशा के मतदाताओं ने संसदीय क्षेत्र के लिए भाजपा को 8 सीटें, कांग्रेस को केवल एक सीट और बीजद को 12 सीटें दीं। 2014 के चुनाव में बीजद ने 20 सीटें जीती थीं और एक सीट पर से हार का मुंह देखना पड़ा था। इससे भी अधिक आश्चर्य की बात यह है कि 2019 के संसदीय चुनावों में कांग्रेस पार्टी केवल एक सीट जीतने में सफल रही। 2019 के संसदीय चुनावों में भाजपा द्वारा जीती गई आठ सीटों में से पांच पश्चिम ओडिशा से थीं। मां समलेश्वरी पीठ संबलपुर क्षेत्र भाजपा के गेरुआ रंग में रंग गया था। हालांकि, गेरुआ रंग को हरे रंग में बदलने के लिए बीजद द्वारा किए गए कार्यक्रमों का सबसे रोमांचक उदाहरण पिछले 27 जनवरी को शुरू की गई मां समलेश्वरी परियोजना थी।

2019 के बाद हुए उपचुनावों में बीजद हुआ मजबूत

बीजद की एकीकरण रणनीति के कारण, 2019 के बाद हुए सभी उपचुनावों, पंचायत और शहरी चुनावों में भाजपा निराशाजनक प्रदर्शन करती रही और बीजद पश्चिम ओडिशा में खुद को मजबूत कर रही थी। आगे की क्षति को रोकने और अपने पैरों के नीचे की जमीन को मजबूत करने के लिए भाजपा ने संबलपुर में प्रधान मंत्री की पहली सार्वजनिक सभा आयोजित की। ओडिशा में भाजपा अपनी बढ़त के लिए लगातार अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूत कर रही है। इसका उद्देश्य 2024 के आम चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाना, पार्टी को जीत दिलाना और केंद्र में तीसरी बार सत्ता हासिल करना है। इसके लिए भाजपा ने एक चुनावी सूची तैयार किया है, जिसमें संगठनात्मक बदलाव के साथ-साथ बीजद के खिलाफ लड़ने के लिए विभिन्न रणनीति और कार्यक्रम शामिल हैं।

हर बूथ पर आमने-सामने की लड़ाई के लिए तैयार भाजपा

पार्टी के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि भाजपा के जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और नेता पिछली बार की तरह निश्चित-जीत की सोच के साथ इस बार आत्मसंतुष्ट निष्क्रियता के बजाय हर बूथ पर आमने-सामने लड़ने के लिए तैयार हैं। बीजेपी के दबंग संगठन के कार्यकर्ता इस बार उत्साहित नजर आ रहे हैं, वहीं राज्य की जनता बीजद को भाजपा के सबसे अच्छे दोस्त के तौर पर देख रही है। इसके कई कारणों में भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार को बीजद का समर्थन, विभिन्न मुद्दों पर संसद में केंद्र सरकार का समर्थन, यहां तक कि विवादास्पद तीन तलाक और कश्मीर में धारा 370 रद्द अधिनियम का अंध समर्थन है। हालांकि, इस बार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अब यह दोस्ताना लड़ाई नहीं है। 2024 के आम चुनावों के दौरान भाजपा लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों में जीत के लिए बहुमत वोट बनाने के लिए अपने धन, लोगों, कौशल और संगठनात्मक ताकत का पूरा उपयोग करेगी। पार्टी के जमीन से जुड़े कार्यककर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और जनमत बढ़ाने के लिए आने वाले दिनों में बीजेपी के मजबूत नेतृत्व जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का ओडिशा में प्रचार करने आने का कार्यक्रम है।

विकास योजनाओं के प्रचार के साथ महिला मतदाताओं पर भाजपा का ध्यान

इस बार भाजपा अपनी विकास योजना का फोकस लाभार्थियों और महिलाओं पर केंद्रित कर रही है। इन हितधारकों ने मोदी की गारंटी, केंद्र सरकार की विकास योजनाओं और उनके उचित कार्यान्वयन के कारण ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को सत्ता में पहुंचाया था। इसी तरह भाजपा को उम्मीद है कि ओडिशा की जनता भी केंद्रीय योजनाओं का श्रेय देगी। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने अपनी संबलपुर जनसभा भाषण में केंद्र सरकार की जनोन्मुखी योजना पर जोर दिया। वहीं संगठन की दृष्टि से पहले कदम के तौर पर देशभर में हर बूथ को मजबूत किया गया है। सांगठानिक कार्यकर्ताओं को अपने प्रखंड और जिला में प्रत्यक्ष असुविधाओं और समस्याओं को राज्य नेतृत्व के ध्यान में लाने और उसके समाधान के लिए कदम उठाया जा रहा है। इसका उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना है। इस उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा और संसदीय क्षेत्र के लिए 20 सदस्यीय नेतृत्व समिति का गठन किया गया है, जिसके सदस्यों में पार्टी के जिला अध्यक्ष, पूर्व उम्मीदवार और प्रखंड -जिला-राज्य स्तर के निर्वाचित नेता शामिल हैं। यह नेतृत्व हर माह बैठक कर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नियुक्त कार्यकर्ताओं को जानकारी देगा।

बंसल के प्रभारी बनने से शुरुआती दिनों में दिखा उत्साह

दूसरी ओर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल की नियुक्ति के बाद, राजनीति में रुचि रखने वाले ने अनुमान लगाया कि 2000 से सत्ता की गद्दी पर बैठे और महा शक्तिशाली बीजद को पूर्वी राज्य ओडिशा से हटाने के लिए भाजपा इस बार गंभीर प्रयास कर रही है। बंसल ने पहले छह महीने तक पूरे राज्य का दौरा भी किया और यह धारणा बनाई कि इस बार आर-पार की लड़ाई होगी। गोपनीय सूत्रों ने बताया कि पूर्व में भाजपा के दूसरे चाणक्य कहे जाने वाले युवा नेता बंसल ओडिशा में भाजपा संगठन से खुश नहीं हैं। 2019 के आम चुनाव में जब भाजपा के सिर्फ 8 सांसद और 23 विधायक ही जीत पाए तो भाजपा के नेताओं ने बीजद पर खुद को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बीजद के साथ एक तरह का समझौता किया। बीजद के प्रचार के परिणामस्वरूप मतदाताओं ने बीजेपी उम्मीदवारों को अधूरे मन से समर्थन दिया और पार्टी ने निराशाजनक प्रदर्शन किया।

राज्य में वर्तमान में दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी

ओडिशा में दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा और बीजद हैं। ओडिशा में अप्रैल-मई महीने में लोकसभा और राज्य विधानसभा दोनों के चुनाव होंगे, इसलिए देखा जा रहा है कि दोनों पार्टियां ओडिशा के पश्चिमी हिस्से में अधिकतम लाभ उठाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पश्चिमी क्षेत्र में 35 विधानसभा सीटें और 5 लोकसभा सीटें हैं। 22 जनवरी को श्रीरामजन्मभूमि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से बनी भावना और प्रधानमंत्री की वोट जीतने की बढ़ी क्षमता को लेकर भाजपा बेहद आशावादी है। भाजपा का मानना है कि पार्टी पहले से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। इसके विपरीत, 2024 का चुनाव ओडिशा के लिए इतना महत्वपूर्ण होने का बड़ा कारण यह है कि भाजपा और बीजद दोनों चुनाव जीतने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं।

जीत के बाद नवीन के पास इतिहास रचने का मौका

इस बार बीजद जीतता है तो मुख्यमंत्री नवीन पटनायक लगातार छठी बार जीत हासिल कर नया इतिहास रचेंगे। यह देश के किसी भी क्षेत्रीय दल के लिए एक नई उपलब्धि है और नवीन बाबू मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबे कार्यकाल के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास रच सकते हैं। इसीलिए बीजद ने भी अपने संगाठनिक पदों पर कई महत्वपूर्ण नेताओं को बैठाया है। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम ओडिशा जिले के प्रभारी के तौर पर संगठनात्मक काम शुरू कर दिया है। इन कार्यक्रमों में पार्टी के संगठनात्मक बदलाव, लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई नई योजनाओं का कार्यान्वयन शामिल है। यह सब बड़ी शिद्दत के साथ किया जा रहा है, ताकि चुनाव से पहले मतदाता बीजद से जुड़े रहें और भाजपा की ओर न जाएं।

बीजद ने पश्चिम ओडिशा में शुरू की कई परियोजनाएं

24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद, बीजद हाल के वर्षों में सुकतेल सिंचाई परियोजना, गंगाधर मेहर भूतल सिंचाई परियोजना के माध्यम से अपनी विफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रहा है। मां समलेई परियोजना पर 2000 करोड़ रुपये खर्च कर उद्घाटन किया गया है। विमसार को अपग्रेड करने और संबलपुर-हीराकुद-बुर्ला में स्टेडियम बनाने की योजना पर काम चल रहा है। बीजद ने नुआ-ओ के माध्यम से युवाओं में खुशियां फैलाई हैं। 2017 के पंचायतीराज चुनावों में, भाजपा ने पश्चिमी क्षेत्र के आठ जिलों की 212 जिला परिषद सीटों में से 169 पर शानदार जीत हासिल की। इसी तरह मयूरभंज और मालकानगिरी में भी सफल रही। बीजद को सिर्फ 33 सीटों से संतोष करना पड़ा था। बीजद ने कड़ी मेहनत करके और कई लोकप्रिय योजनाएं शुरू करके 2022 के पंचायत और 2023 शहरी चुनावों में वोट बैंक को अपने पक्ष में कर लिया। 2019 के संसदीय चुनावों में ओडिशा के मतदाताओं ने लोकसभा सीट के लिए भाजपा के पक्ष में भारी मतदान किया और विधानसभा सीट के लिए बीजद को भारी समर्थन दिया। इसे मतदाताओं की चलाकी कहा गया। हाल ही में कुछ मीडिया के अनुमान के मुताबिक खबर आई थी कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता ओडिशा समेत पूरे देश में बढ़ती जा रही है। खबर है कि ओडिशा में नवीन की लोकप्रियता पहले से कम हुई है।

राहुल की भारत जोड़ो से कांग्रेस में उत्साहराहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी तत्परता दिखा रही है। देखने में आया है कि ओडिशा के जनमानस में आज भी यह विचार कायम है कि भाजपा-बीजद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह कहना मुश्किल है कि बीजद के प्रति नराज मतदाता इस बार प्रतिक्रियाशील होकर कांग्रेस के पक्ष में वोट करेंगे या नहीं। क्योंकि कुछ नेता कांग्रेस में लौट रहे हैं, लेकिन कांग्रेस की ठोस नीति काम नहीं कर रही है। अभिनेता मनोज मिश्र हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। विलय उत्सव कांग्रेस भवन में नहीं बल्कि गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया था। इससे कांग्रेस नेताओं में एकता की कमी का पता आसानी से चल रहा है। हालांकि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने एक बार फिर ओडिशा पर ध्यान केंद्रित किया है और आगामी चुनावों के लिए विशेष तैयारी की है। कांग्रेस तेलंगाना ढांचा में चुनाव जीतने के लिए ओडिशा में 5 गारंटी का वादा करेगी। जल्द ही राहुल गांधी ओडिशा आएंगे और गारंटी का ऐलान करेंगे। इसके अलावा पीसीसी ने तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के रणनीतिकार कहे जाने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी शिवकुमार को प्रचार के लिए ओडिशा लाने की योजना बनाई है। हालांकि राहुल गांधी के आने और गारंटी का ऐलान करने से पहले प्रचार समिति की बैठक में प्रदेश कांग्रेस की चुनावी रणनीति को लेकर कुछ अहम फैसले लिए गए हैं। किस बात को लेकर जनता के बीच जाना है इसकी एक सूची तैयार की गई है। यह चुनाव के बाद पता चलेगा कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और नेता कितनी दूर तक जा सकते हैं और ओडिशा के मतदाता कितने जागरूक हैं।

MCL

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
जागृति विहार, बुर्ला- 768020, जिला-सम्बलपुर (ओड़िशा)
दूरभाष (ईपीएबीएक्स): 0663-2542461 से 469 वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in**/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (**एमसीएल, www.mahanadicoal.in**), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

R-5193